सांता क्लॉस, हनुमान या अलादीन का जिन्न

अमिताभ श्रीवास्तव

सुना था
सांता क्लॉस साल में एक दिन आता है
लेकिन 'अपना वाला' तो रोज़ सुबह आ जाता है
दूध,सब्ज़ी,अंडे की मुराद पूरी कर जाता है
गुमनाम,चुपचाप,अंधेरे में बिना हमें जगाए।

सांता तो आता है ढेर सारे कपड़े पहने
अपनी बग्गी पर सवार
पर आज का सांता कैसे आता है
ना किसी ने देखा ना समझना चाहा।

रात को ख़ाली थैला बाहर रखना
और सुबह आँख खुलते ही भरा हुआ पाना
किसी चमत्कार से कम तो नहीं।

कहीं से भी, कितनी दूर से भी
कुछ भी,कहीं भी पहुँचाने वाले को
कुछ लोग हनुमान भी कहते हैं।

सर्दी, गरमी, तूफ़ान या बरसात में
लाक्डाउन में या लॉकाउट के बाहर
बिना सवाल पूछे हुक्म मानने वाले
को अलादीन का जिन्न मानने वाले
भी हैं।
क्या वो ग़लत हैं?
सोचने वाली बात।